DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

Lack of quality healthcare facilities for poor women and children in Balia district of Uttar Pradesh

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, बलिया की भूमि देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपने महत्वपूर्ण योगदान के कारण 'बागी बलिया' के नाम से याद की जाती है। यह जिला उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं से महरूम है, अछूता है। यह शहीद मंगल पांडे की शहादत की धरा है। यह युवा तुर्क एवं इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की भूमि है, जिस पर यह जनपद ही नहीं, अपितु पूरा देश गर्व करता है, परन्तु दुख इस बात का है कि यहां की जनता को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। यहां से लोगों को गोरखपुर और वाराणसी इलाज के लिए जाना पड़ता है, जो कि यहां से काफी दूर है। यहां पर न तो कोई उच्च-स्तरीय अस्पताल है और न ही कोई मेडिकल कॉलेज है। जिससे यहां की गरीब जनता को आधुनिकतम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह आग्रह करता हूं कि बलिया में एक उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से युक्त "एम्स" या पीजीआई जैसा अस्पताल खोला जाए। इससे बलिया ही नहीं बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की गरीब जनता को 70 साल के बाद स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, माननीय सदस्य की यह बिल्कुल वाजिब मांग है और मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सभापतिः आप बैठ जाइए। All right. Please include the names of all those who have raised their hands.

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

† **محترمہ کہکشاں پروین (بہار):** مہودے، میں بھی مانئیے سدسئیے کے ذریعہ اٹھائے گئے موضوع سے خود کو سمبذ کرتی ہوں۔

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री राजाराम (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री हरिवंश (बिहार)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

Poor quality of food served in the Ranchi Rajdhani Express

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार)ः बहुत-बहुत शुक्रिया सभापति महोदय। मैं एक बहुत ही गंभीर मुद्दे को सदन में उठाना चाहती हूं। जब कोई व्यक्ति ट्रेन में यात्रा करता है, तो यात्रा करने वाला भी और जो यात्री यात्रा कर रहे हैं, उनके घर वाले भी हमेशा इसी सोच में, फिक्र में लगे रहते हैं कि यात्री अपनी मंज़िल पर सही तरीके से पहुंच जाए। रांची राजधानी एक्सप्रेस के बारे में पिछले हफ्ते एक "न्यूज़ चैनल" ने दिखाया कि रांची राजधानी में सफर कर रहे यात्रियों को जो खाना परोसा गया, उसे खाने के बाद उनकी तबियत खराब हो गयी और उनको अस्तपाल में एडमिट करवाया गया।

सभापति महोदय, मैं आपसे यह निवेदन करना चाहूंगी कि जो मंत्री जी हैं, उनसे यह कहा जाए कि जो इसमें खाना परोसते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। हमारी सरकार का नारा "स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत" है। हम इस पर पूरा ध्यान देते हैं। जहां पर स्वच्छता रहेगी, वहीं पर स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। इसी तरह का हाल डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में भी है। उसमें रसाई यान नहीं है। जहां पर रसोई यान है, वहां से खाना लाकर इसके ए.सी. फर्स्ट क्लास में जो खाना परोसा जाता है और जिस तरह से खाना परोसा जाता है, यदि उसे देख लिया जाए, तो किसी की खाने की तबियत नहीं करेगी, लेकिन यात्रा करने वाले यात्री भूखे रहते हैं, इसलिए मजबूरन वे उस खाने को खाते हैं।

सभापति महोदय, मेरी मांग यह है कि डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में रसोई यान लगाया जाए, जिससे कि उसमें यात्रा कर रहे यात्रियों को कोई परेशानी न हो। मैं सरकार और माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहूंगी कि मैंने इस मुद्दे को पहले भी हाउस में उठाया था और इस मुद्दे को मैं आज भी उठा रही हूं, इसको गंभीरता से लिया जाए, ताकि जो यात्रीगण सफर कर रहे हैं, उनको कोई परेशानी न हो।

†Transliteration in Urdu script.